नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र

जुलाई, 2024 अंक 312

अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar,Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

अध्यक्षीय आह्वान

'गुरु बिन ज्ञान न उपजे, गुरु बिन भगति न होय।
गुरु बिन संशय ना मिटे, गुरु बिन मुक्ति न होय॥'

'गुरुपदेश्च बिना नात्मतत्वागमोभवेन' योग वशिष्ठ देवजी ने ठीक ही कहा है कि गुरु के उपदेश के बिना आत्मतत्व की प्राप्ति नहीं होती। वे हमारी अन्तरात्मा पर पड़ी मैली चादर को अपने उपदेश रूपी साबुन से धोकर आत्मा को परमात्मा बना देते है। क्योंकि गुरु ही हमारा पथ प्रदर्शन करते हैं।

आज तेरापंथ धर्मसंघ 'एक गुरु और एक विधान' की पहचान के साथ परम यशस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन अनुशासना में उत्तरोत्तर प्रगति के नए मापदंडों को स्थापित कर रहा है। आज हर व्यक्ति परम शांति, परम पद, परम धाम को पाना चाहता है, यह तभी संभव है जब हम संघ एवं संघपति के प्रति सर्वात्मना समर्पित होकर परम आनन्द का अनुभव करें। हमारा समर्पण व समन्वय ही हमें लक्ष्य तक पहुँचा सकता है।

बहिनों! नारी की क्षमताओं के विषय में जब भी चर्चा की जाती है तो यह बात परिलक्षित होती है कि नारी ने हर क्षेत्र में अपना परचम फहराया है, प्रगति की है और अपने कर्त्तव्य से दिक्व्यापी प्रतिष्ठा प्राप्त की है और आज भी वह अपनी बौद्धिक क्षमताओं और चिंतनशीलता से इतिहास के नवपृष्ठों का सृजन कर रही है। बहिनों! महिला मंडल का हमारा मंच और हमारे मुखपत्र 'नारीलोक' के माध्यम से हम सब एक परिवार की तरह आपस में जुड़े हुए है। केन्द्र ने जो भी कार्य करने के लिए अपने शाखा मंडलों को आह्वान किया, क्षेत्रीय बहिनों के उत्साह और उनकी कर्मठ जागरूकता में उस कार्य की स्पष्ट प्रतिध्वनि एक सकारात्मक गूंज के रूप में उभरकर सामने आई, आप सबके परिश्रम का ही परिणाम है कि हमारा यह बोलता कृर्तत्व हमारा सक्षम परिचयदाता बन गया।

21वीं सदी में आध्यात्म का प्रकाश फैलाने वाले संघ के दशम् अधिशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने युग के केनवास पर नये-नये सपने उतारे। आचार्य महाप्रज्ञ एक व्यक्ति ही नहीं, सम्पूर्ण संस्कृति, दर्शन, इतिहास एवं विज्ञान के समवाय थे। आप युग प्रधान, युग दृष्टा, युग सृष्टा, युग प्रचेता और युग पुरुष एक महान दार्शनिक के रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। इस माह आपकी जन्म जयंति पर महिला समाज कृतज्ञ भाव से आपके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

महिला मंडल रूपी गुलदस्ते में गूंथी कलियों का नाम है हमारा कन्या मंडल। जुलाई एवं अगस्त माह में कन्या मंडल की आंचलिक कार्यशालाएं समायोजित है। कन्या मंडल हमारा सुखद भविष्य, स्वर्णिम परिकल्पना है और इस कल्पना को सहेजकर रखने का एक प्रयास है कन्या कार्यशाला। कन्याएं हमारे धर्मसंघ की हर रीति-नीति, परम्परा, इतिहास एवं आदर्श संस्कारों से वाकिफ बनें। ज्यादा से ज्यादा संख्या में कन्याओं से मिलने का अवसर मिले, इसी लक्ष्य के साथ कन्याओं के आंचलिक सम्मेलन आयोजित किए गए है। आंचलिक कार्यशालाओं में कन्याओं की अधिकाधिक उपस्थिति हेतु सलक्ष्य प्रयास करे। इन कार्यशालाओं के माध्यम से अधिकाधिक कन्याओं से प्रत्यक्ष सम्पर्क हमारे शुभ भविष्य का प्रतीक होगा। आप सबकी संघ समर्पित सहयोग की कामना के साथ-

शुभाकांक्षी
Sarita Daga
सरिता डागा

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

POWERHOUSE

रोज की एक सलाह

समय-नियोजन व्यवस्थित जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। दिनचर्या को निर्धारित रखो, काम अच्छा होगा। 'समय पर काम करो'। इस सूत्र को आजमाकर देखो कि दिन कितना व्यवस्थित बीतता है?

एक अच्छा संकल्प भी अनेक समस्याओं से बचाने वाला हो सकता है। अपेक्षा है कि उसका निष्ठा के साथ पालन हो। वह तुम्हारा अभिन्न मित्र व सच्चा मित्र होगा।

-आचार्य महाश्रमण (रोज की 1 सलाह से साभार)

संघ और हमारा दायित्व

व्यक्ति-व्यक्ति है और संघ संघ है। संघ का अपना महत्व होता है। संघ-हित के सामने व्यक्ति-हित गौण होता है। जो व्यक्ति संघ के प्रति श्रद्धाशील है, वह वैयक्तिक आलोचना को फिर भी सहन कर सकता है, पर संघ की आलोचना कभी नहीं सुन सकता। संघ पर आक्षेप-प्रक्षेप होते रहें और संघ के सदस्य कहलाने वाले मूक भाव से उन्हें सुनते रहे, इसे मैं संघीय आस्था की कमी और दायित्वहीनता की बात मानता हूँ।

-आचार्य तुलसी (मंजिल की ओर से साभार)

प्रज्ञा पुरुष, प्रेक्षा प्रणेता आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 105वीं जन्म जयंती पर श्रद्धासिक्त वंदन

विश्व के महान् दार्शनिक, प्रज्ञा के अक्षय भंडार, प्रेक्षा ध्यान पद्धति के अनुसंधानकर्ता, तेरापंथ धर्मसंघ के दशम् अधिशास्ता, युग प्रधान आचार्यश्री महाप्रज्ञजी की जन्म जयंती पर महिला शक्ति का श्रद्धासिक्त वंदन। आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का व्यक्तित्व, बुद्धिबल, आत्मबल, भक्तिबल, कीर्ति और वाग्बल का विलक्षण समवाय था। उनके व्यक्तित्व की ऊंचाई और गहराई अमाप्य थी। आपकी साहित्य संरचना में दार्शनिकता प्रस्फुटित होती थी। आपकी प्रवचन शैली में अध्यात्म और विज्ञान का अद्भूत समन्वय था। व्यवहार जगत को समझना और समस्याओं का सहज समाधान प्रस्तुत करना आपकी प्रज्ञा सम्पन्नता का द्योतक था। आप एक युग प्रधान युग पुरुष थे। आचार्य महाप्रज्ञजी ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व की कुंजी से अवदानों के जो आलेख लिखे, उन पर समग्र विश्व को सात्विक गौरव है। आगम सम्पादन के महनीय कार्य को जिस सहजता, गंभीरता और तत्परता से आपने संयोजित करवाया वह जैन जगत एवं अध्यात्म जगत के लिए अनुपम उपहार है।

राष्ट्र के विरल व्यक्तित्व आचार्य महाप्रज्ञ की 105वीं जन्म जयंती पर पूरा महिला समाज आपको वंदन करता हुआ श्रद्धा सुमन अर्पित करता है। आपके दिए हुए अवदान मानव जाति के लिए युगों-युगों तक अपना आलोक बिखेरते रहेंगे। शत-शत वंदन।

समृद्ध राष्ट्र योजना

करणीय कार्य - जुलाई माह

संस्कारशाला : A way to Happiness

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य है बच्चों में अच्छे संस्कारों का वपन कर उनके सुंदर भविष्य का निर्माण करना। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत आपको पाँचवीं कक्षा से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 8 कार्यशालाओं का आयोजन करना है। हर महीने दो कार्यशालाओं का आयोजन कर आपको चार माह में इस प्रोजेक्ट को पूरा करना है। कार्यशाला के विषय इस प्रकार रहेंगे–

- क्रोधी नहीं सहनशील बनें।
- आलस्य नहीं समय का सदुपयोग करें।
- अनुशासन।
- माता–पिता एवं बड़ों का सम्मान।
- सत्य एवं ईमानदारी
- पहले तोलें फिर बोलें
- **Healthy Food Habits.**
- **Social Media** का सही उपयोग।

कार्यशाला का प्रारूप

- जय जिनेन्द्र से बच्चों का अभिवादन करें।
- कार्यशाला का आरम्भ 9 बार महाप्रयाण ध्वनि के साथ करें।
- प्रत्येक कार्यशाला में एक विषय को चुनें।
- कहानी, लघु नाटिका, **ppt** आदि के माध्यम से रोचक तरीके से विषय को समझाएं।
- बीच–बीच में प्रश्न पूछ कर बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- संबंधित विषय पर बच्चों के लिए भाषण, कविता, चित्रकला प्रतियोगिता भी रख सकते हैं।
- आप अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करते हुए किसी भी विधा का प्रयोग करते हुए बच्चों को समझा सकते हैं।
- बच्चों को बताएं कि इन गुणों को अपनाकर वे किस प्रकार खुश रह सकते हैं।
- अगली कार्यशाला का विषय उन्हें पहले ही बता दें। दो–तीन बच्चों को संबंधित विषय पर कहानी, कविता तैयार कर लाने को कहें और उन्हें प्रस्तुति का अवसर दें।
- एकाग्रता बढ़ाने के लिए बच्चों को सहज व्यायाम व मुद्राओं का प्रयोग कराएं।
- कार्यशाला को **positive affirmations** के साथ सम्पन्न कराएं– मैं स्वस्थ हूँ, मैं प्रसन्न हूँ, मैं बुद्धिमान हूँ, मैं अनुशासित हूँ, मेरा क्रोध समाप्त हो रहा है, मेरा आलस्य समाप्त हो रहा है, मेरे अंदर सहनशीलता का विकास हो रहा है आदि।

विशेष–

- कार्यशाला पाँचवीं से आठवीं कक्षा के बच्चों के साथ करें।
- प्रथम कार्यशाला जिन बच्चों के साथ शुरू करें, आठों कार्यशाला उन्हीं बच्चों के साथ करनी है।
- यदि आपने किसी स्कूल को संरक्षण प्रदान किया है तो कार्यशाला करने के लिए उस विद्यालय को प्राथमिकता दें।
- अगर आप यह प्रोजेक्ट एक से अधिक स्कूल में करना चाहते हैं तो हर विद्यालय में आपको आठ–आठ कार्यशालाएं करनी होंगी।
- आप जुलाई से दिसम्बर, 2024 तक अपनी सुविधा अनुसार 4 महीनों का चयन कर सकते हैं।
- संस्कारशाला के समापन पर प्रिंसिपल से **Letter of Appreciation** अवश्य लें।

कन्या मंडल आंचलिक कार्यशाला
'ज्योतिर्मय'
Enlighten yourself – Enlighten the world

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में कन्याओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से देशभर में आंचलिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सभी क्षेत्रों की कन्या मंडल को सूचित किया जाता है कि वे अपने-अपने क्षेत्र के अनुसार कार्यक्रम निर्धारित कर कार्यशाला में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता दर्ज करवाएं। आंचलिक कार्यशालाओं का निर्धारण इस प्रकार किया गया है :

1. **स्थान :** लाडनूं **दिनांक :** 26-27 जुलाई, 2024
   सान्निध्य : शासनगौरव साध्वीश्री कल्पलताजी
   संभागी क्षेत्र : राजस्थान (मेवाड़ छोड़कर), उत्तर प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा
2. **स्थान :** विजयनगर (बंगलूरू) **दिनांक :** 3-4 अगस्त, 2024
   सान्निध्य : साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी
   संभागी क्षेत्र : तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु एवं कर्नाटक
3. **स्थान :** फारबिसगंज (बिहार) **दिनांक :** 10-11 अगस्त, 2024
   सान्निध्य : साध्वीश्री स्वर्णरेखाजी
   संभागी क्षेत्र : असम, पश्चिम बंगाल, बिहार एवं नेपाल
4. **स्थान :** सूरत **दिनांक :** 27-28 अगस्त, 2024
   सान्निध्य : सूरत कार्यशाला परमपूज्य आचार्यप्रवर के पावन सान्निध्य में आयोजित होगी।
   संभागी क्षेत्र : महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, मेवाड़ एवं गुजरात

* सूरत कार्यशाला में बड़े क्षेत्रों से 7 एवं छोटे क्षेत्रों से 4 कन्याएं सहभागी बनें।

विशेष ध्यातव्य :

* कन्या मंडल का मान्यता पत्र साथ में लेकर आएं।
* केन्द्र के निमंत्रण पर क्षेत्र की उपस्थिति वार्षिक मूल्यांकन का आधार बनेगी।
* कार्यशाला शुल्क 300/- रुपए प्रत्येक प्रतिनिधि रखा गया है।
* सूरत कार्यशाला को छोड़कर अन्य स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में कन्याएं भाग लें।
* कार्यशाला में विशेष प्रायोगिक प्रशिक्षण भी होगा एवं खुले मंच को रचनात्मक ढंग से नवीन रूप दिया जाएगा।
* प्रत्येक क्षेत्र में कन्या मंडल प्रभारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।
* सभी कन्याएं एवं प्रभारी बहिनें गणवेश तथा सामायिक उपकरण साथ में अवश्य लाये।
* आपका पहनावा गरिमापूर्ण हो, इसका ख्याल रखें।
* प्रत्येक सत्र में समय पर पहुँचे।

विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र :
श्रीमती अदिति सेखानी- 9909024763, श्रीमती सोनम बागरेचा- 9007911111

स्नेहिल कन्याओं,
सादर जय जिनेन्द्र !

सर्वप्रथम चातुर्मास के प्रारंभ में आत्मोत्कर्ष की मंगलकामनाएं और 20वीं राष्ट्रीय कन्या कार्यशाला- **'ज्योतिर्मय- Enlighten yourself, Englighten the world'** की शुभकामनाएं। आप सभी के व्हाट्सएप मैसेज और फोन द्वारा मुझे इस बात का विश्वास हो गया है कि आप सभी इस कार्यशाला में शामिल होने हेतु अति उत्साही है और साथ ही साथ इसे सफल बनाने हेतु प्रयासरत भी है। पूज्यप्रवरों का सान्निध्य, हम सभी का समन्वय होगा कार्यशाला ज्योतिर्मय।

आप सभी से कार्यशाला में मिलने को उत्सुक-

आपकी दीदी
अदिति सेखानी

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का राष्ट्रीय अधिवेशन 20, 21, 22 सितम्बर, 2024 सूरत (गुजरात)

युग प्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का राष्ट्रीय महिला अधिवेशन आगामी 20, 21, 22 सितम्बर, 2024 को सूरत (गुजरात) में समायोजित हो रहा है। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में यथासंभव शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारी की सहभागिता रहे। यदि किसी कारणवश पदाधिकारी नहीं आ सकें तो कार्यसमिति सदस्यों की सहभागिता का लक्ष्य रखें।

शाखा मंडल के ध्यानार्थ :

* छोटे शाखा मंडल से अधिकतम 3 सदस्य और बड़े शाखा मंडल से अधिकतम 5 सदस्य संभागी बन सकेंगे।
* शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकरियों को ही सम्मिलित होने हेतु प्राथमिकता दें।
* पंजीकरण शुल्क मात्र रु. 1100/- (ग्यारह सौ रुपए मात्र) प्रति संभागी है।
* संभागी 20 सितम्बर, 2024 को प्रातः 10 बजे तक पहुँचने का लक्ष्य रखें।
* पंजीकरण प्रातः 9 बजे से मध्याह्न 1 बजे तक रहेगा।
* संभागी अपने क्षेत्र का मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
* 22 सितम्बर, 2024 को मध्याह्न भोजन पश्चात् संभागी प्रस्थान कर सकते हैं।

शाखा मंडलों का वार्षिक साधारण सदन

समस्त शाखा मंडलों का स्थानीय स्तर पर वर्ष 2023-2024 का साधारण सदन 25 जून से 25 जुलाई, 2024 के मध्य अनिवार्य रूप से आयोजित करने की सूचना गत नारीलोक के माध्यम से दी गई थी। साधारण सदन आयोजित होने के बाद उसकी सूचना केन्द्रीय प्रभारी को अवश्य दें।

संगठन यात्रा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रभारी बहिनों को सूचित किया जाता है कि वे अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों की संगठन यात्राएं प्रारम्भ करें। जुलाई एवं अगस्त माह में सभी शाखाओं की यात्रा कर उसकी रिपोर्ट संगठन मंत्री श्रीमती रमन पटावरी-9903518222 को प्रेषित करें। सभी शाखा मंडल भी अपने प्रभारी से सम्पर्क कर यात्रा का समय निर्धारित कर लें ताकि व्यवस्था की दृष्टि से सुविधा रहेगी। संगठन यात्रा की पूर्ण जानकारी का **pdf Whatsapp** के माध्यम से भेज दिया गया है।

तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर 22-23 सितम्बर, 2024 को सूरत में

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान/ तेरापंथ दर्शन प्रचेता की छठे व पाँचवें वर्ष की विशेष (मौखिक) परीक्षा एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 22-23 सितम्बर, 2024 को सूरत में परमश्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में किया जा रहा है। तत्त्वज्ञान के छठे व तेरापंथ दर्शन के पाँचवें वर्ष के परीक्षार्थी 22 सितम्बर को 11.00 बजे तक सूरत पहुँच जाए। शिविरार्थी शुल्क 500/- रु. है। ओढ़ने, बिछाने व दैनिक आवश्यक सामग्री साथ लाएं। आपके आने की सूचना अतिशीघ्र प्रेषित करें।

विशेष सम्पर्क सूत्र : निर्देशक- श्रीमती पुष्पा बैंगानी, 09311250290

राष्ट्रीय संयोजिका : श्रीमती कुसुम बैंगानी- 08010139367

सूरत में आवास संबंधी जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य : श्रीमती पूर्णिमा गादिया- 9909040707

पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य : श्रीमती जयंती सिंघी- 8690666015

समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत विद्यालय संरक्षण

भीलवाड़ा, 2 मई, 2024, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित समृद्ध राष्ट्र परियोजना के अंतर्गत निर्माण– 'बढ़ते कदम विकास की ओर' विद्यालय संरक्षण प्रोजेक्ट। इस प्रोजेक्ट के तहत तेरापंथ महिला मंडल, भीलवाड़ा ने राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, गुलमंडी को संरक्षण में लिया। अखिल भारतीय महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं टीम ने इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया और इस सेवा कार्य की सराहना की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मैना कांठेड ने स्वागत वक्तव्य दिया। स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती उषा शर्मा ने समागत राष्ट्रीय पदाधिकारीगण का उपरना द्वारा स्वागत एवं मंडल के इस सराहनीय सेवा कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय संरक्षण के महनीय कार्यक्रम में अभातेमम राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ चीफ ट्रस्टी, महामंत्री, विभिन्न पदाधिकारी, राकास सदस्य एवं स्थानीय महिला मंडल की विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्य बहिनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

जयपुर, 11 मई, 2024, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल, जयपुर सी-स्कीम द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मानसरोवर ओल्ड को स्कूल संरक्षण के तहत 300 बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर, इंसीनरेटर मशीन, सैनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन, लाइब्रेरी के लिए चार आलमारी, बच्चों के शारीरिक विकास हेतु खेलकूद सामग्री, स्वच्छता हेतु डस्टबिन, बालिका स्वावलंबन हेतु सिलाई मशीन एवं अन्य सामग्री प्रदान की गई। विद्यालय में ड्राइंग कंपटीशन करवाया गया।

कार्यक्रम में अभातेमम की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, अन्य पदाधिकारीगण एवं राकास सदस्यों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने जयपुर सी-स्कीम महिला मंडल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम स्कूलों में जो भी काम करे, वह ठोस काम करें। स्थानीय सी-स्कीम महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा सुराणा ने गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। राकास श्रीमती नीरू पुगलिया का उल्लेखनीय श्रम रहा।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा श्रीमान जगदीश नारायण मीणा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयपुर पश्चिम श्रीमान ओमप्रकाश गौड़, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयपुर पश्चिम श्रीमान महेन्द्र जैन की विशेष उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रीमान कुलदीप शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए जयपुर सी-स्कीम महिला मंडल को धन्यवाद दिया और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

सूरत, 28 जून, 2024, अभातेमम के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, सूरत द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संरक्षण में ली गई दो शाला डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन प्राथमिक शाला क्रमांक 84 एवं धूमकेतु प्राथमिक शाला क्रमांक 218, इन दोनों स्कूलों में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में दो वाटर कूलर और नोटबुक वितरित किए गए।

नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्कूल के बच्चों ने प्रार्थना गीत गाया। दोनों स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती तृप्ती बहिन और श्रीमती नीलम बहिन ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। मंडल की बहिनों के द्वारा मंगलाचरण किया गया। स्थानीय महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती चंदा भोगर ने स्वागत वक्तव्य दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों की आवश्यकताओं की समय-समय पर पूर्ति करना ही हमारे संगठन का एक दायित्व भी है। आपने सूरत महिला मंडल की सराहना करते हुए कहा कि सूरत मंडल अवसर का अच्छा लाभ उठाती है। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका श्रीमती रेखा ढालावत, मंत्री श्रीमती सुषमा बोथरा और सह संयोजिका श्रीमती सुनीता सुराणा ने किया। आभार ज्ञापन सह संयोजिका श्रीमती डिम्पल नाहर ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा के साथ राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, पदाधिकारी एवं राकास सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि एजेकुशन इंस्पेक्टर श्री हर्षद जी, विशिष्टजन एवं स्थानीय मंडल की बहिनों की भी अच्छी उपस्थिति थी। अच्छी संख्या में स्कूल की छात्राओं ने भी उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया।

कैंसर जागरूकता अभियान

जनवरी में आगाज कर, फरवरी में जागरूक किया, मार्च में जीत की कहानी, अप्रैल-मई-जून में जाँच कर दूर करी परेशानी।
पर, क्या सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य की जाँच ही है समाधान, या इसका है कोई और भी निदान।
आइये- जुलाई की कार्यशालाओं से मुश्किलें होंगी आसान।

कहते हैं जीवन में समस्याएं आती हैं तो उन समस्याओं के समाधान भी मिलते हैं और उन समाधानों को सुलझाने वाली कोई न कोई कड़ी भी अवश्य मिलती है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल भी कैंसर जैसी जटिल बीमारी का समाधान करने में समाज में, देश में एक प्रमुख कड़ी बनकर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कैंसर कैसे होता है? क्या मुख्य जाँचें होती हैं, कैसे सावधान रहना है, क्या-क्या उपाय करने हैं, जागरूक कब और कैसे रहना है- ये सब हमने देश के ख्यातिलब्ध डॉक्टर्स द्वारा अब तक जाना, पर क्या आपने कभी यह चिंतन किया कि इन मुख्य बिंदुओं के अलावा भी कुछ अन्य बिंदु हैं जिनके माध्यम से, जिनके उपयोग से, हम कैंसर जैसी भयानक बीमारी से भी निदान पा सकते हैं, बस जरूरत है कुछ जानने की, समझने की और उन बिन्दुओं को अपने प्रतिदिन की दिनचर्या में आचारित करने की।

आइये जानते हैं मुख्य 4 बिन्दु :

1. **शारीरिक स्वास्थ्य (Physical Health)** हम अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में व्यायाम, योगा को नियमित रूप से करने का प्रयास अवश्य करे।
2. **मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health)** हम शारीरिक रूप से कितने भी स्वस्थ हो पर अगर हमारा दिमाग और मन विचलित है तो हम किसी भी परिस्थिति का आनंद नहीं ले पाते हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य का स्वस्थ होना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
3. **सामाजिक स्वास्थ्य (Social Health)** या समरसता से तात्पर्य यह है कि लोगों के अंतर्गत और समाज के अन्य सदस्यों के साथ आपकी मिलन सरिता ना सिर्फ आपके मूड को बल्कि आपका आपसी सौहार्द भी बढ़ाती है।
4. **आध्यात्मिक स्वास्थ्य (Spiritual Health)** में एक उद्देश्यपूर्ण जीवन, मनुष्य के विभिन्न आयामों और क्षमताओं का अतिक्रमण और वास्तविकता शामिल है। आध्यात्मिक स्वास्थ्य मानव जीवन के शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं के बीच संतुलन बनाता है।

जुलाई माह - करणीय कार्य

सभी शाखा मंडलों से हमारा आह्वान है कि **कैंसर जागरूकता अभियान** के तहत आप निम्न बिन्दुओं के आधार पर स्थानीय स्तर पर एक कार्यशाला का आयोजन करें।

1. किसी योगा प्रशिक्षक को आमंत्रित करें जो हमें **Physical Health** के बारे में जानकारी दें। जिसमें उन्हें प्रतिदिन करने वाले आसन या व्यायाम अवश्य सिखाये जाये।
2. मानसिक स्वास्थ्य **(Mental Health)** को देखते हुए किसी **Health Counselling Doctor** को बुलाकर भी कार्यशाला का आयोजन किया जा सकता है।
3. 'प्रेक्षा-ध्यान' **(Spiritual Health)** के कोई भी एक प्रयोग पर चिंतन कर प्रशिक्षक द्वारा उस कार्यशाला का आयोजन भी किया जा सकता है।
4. कैंसर जैसी घातक बीमारी के लिए सभी प्रकार (शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक स्वास्थ्य) के स्वास्थ्य का स्वस्थ होना जरूरी है। **इस माह आप उपरोक्त में से किसी भी एक विषय पर कार्यशाला का आयोजन करे।** कार्यशाला लगभग **30-40 मिनट** की रहें एवं तदुपरांत **10-15 मिनट** तक जिज्ञासा- समाधान का सत्र अवश्य रखें। कार्यशाला में भाग लेने वाली महिलाएं नियमित रूप से इसे अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें।

कुछ आवश्यक ध्यानार्थ बिंदु :

1. आप अपने मंडल के **Facebook/Instagram** पेज पर कैंसर से जुड़े सभी कार्यक्रम जो आपने संपादित किए हैं, **ABTMM के page को Tag** कर के डाल सकते हैं। ध्यान रहे- फोटो 4 से ज्यादा और 1 से अधिक वीडियो ना डाले।
2. सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि अपने-अपने क्षेत्र/शहर में स्थित प्रसिद्ध कैंसर अस्पताल का नाम और नंबर एवं **Oncologist Doctors** विशेष रूप से तेरापंथी **Doctors** के नाम **31 जुलाई** तक इस नम्बर- **9500063879** पर **Whatsapp** करने का श्रम करें।

नोटः किसी भी कार्यशाला या कार्यक्रम को आयोजित करने के पूर्व अगर आपको कोई भी जिज्ञासा हो तो कृपया **संयोजिका- अनिता बरड़िया** से सम्पर्क कर सकते हैं।

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार 2024

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक महिला अधिवेशन में एक महिला और एक कन्या को सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार तेरापंथ धर्मसंघ की प्रतिभा सम्पन्न एक महिला एवं एक कन्या को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के अंतर्गत रु. 51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। समस्त शाखा मंडलों से निवेदन है कि अपने क्षेत्र से इस पुरस्कार हेतु प्रविष्टियाँ भेजें। इसके लिए समस्त शाखाएं अपनी जागरूकता का परिचय दे। अंतिम निर्णय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु अर्हताएं :

* कला, शिक्षा, विज्ञान, सेवा, साहित्य आदि के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली महिला/कन्या हो।
* चरित्रनिष्ठ एवं संघनिष्ठ मनोवृत्ति हो।

पुरस्कार प्रविष्टि हेतु शाखाओं के ध्यानार्थ :

* प्रत्येक शाखा एक महिला और एक कन्या का नाम ही इस पुरस्कार हेतु प्रस्तावित कर सकती है।
* आपकी शाखा द्वारा प्रस्तावित महिला एवं कन्या के प्रस्ताव को उन व्यक्तियों की फोटो सहित सम्पूर्ण परिचय (बायोडाटा) शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने शाखा के **letterhead** पर लिखित में भेजें। इस प्रस्ताव में अध्यक्ष एवं मंत्री सहित अन्य तीन पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी अनिवार्य रूप से होने चाहिए।
* प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2024 रहेगी। बाद में प्राप्त प्रविष्टियाँ स्वीकृत नहीं की जाएगी।
* प्रविष्टियाँ जयपुर स्थित अध्यक्षीय कार्यालय में ही भेजें।
* शाखा उन्हीं महिला/कन्या की प्रविष्टियाँ भेजें जो 21/22 सितम्बर, 2024 को सूरत में आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में उपस्थित होकर यह पुरस्कार स्वीकार कर सके।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा आयोजित जुलाई माह आध्यात्मिक कार्य

कंठस्थ करें भिक्षु अष्टकम

चातुर्मास की शुरुआत आध्यात्मिकता के साथ, सभी कन्याएं भिक्षु अष्टकम करे कंठस्थ शुद्ध उच्चारण के साथ।

कंठस्थ करके आप इसका रचनात्मक संगान 19-20 एवं 21 जुलाई, 2024 (आचार्यश्री भिक्षु जन्म एवं बोधि दिवस, चातुर्मासिक पक्खी, तेरापंथ स्थापना दिवस) में से किसी एक दिन प्रवचन के समय प्रस्तुत करे।

अधिक जानकारी के लिए कार्यक्रम संयोजिका से संपर्क करें- आयुषी कोठारी-9413412105.

एक मुलाकात विशिष्टजन के साथ

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने कार्यालय संभाल की दृष्टि एवं मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी से मार्ग दर्शन प्राप्त करने हेतु लाडनूं की यात्रा की। इस यात्रा के साथ आपने डीडवाना में जिला कलेक्टर श्री बालमुकुंद असावा से मुलाकात की। श्री असावा को आचार्यश्री महाश्रमणजी के वर्तमान प्रवास-यात्रा एवं अभातेममं की गतिविधियों की जानकारी दी। 'महाश्रमणोस्तु मंगलम्' के अंतर्गत किए गए कार्यों की पुस्तिका एवं नारीलोक का अंक भी कलेक्टर महोदय को भेंट किया गया। मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त कर श्री असावा ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस मुलाकात में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय कन्या मंडल सहप्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, तेममं, लाडनूं की अध्यक्ष श्रीमती सुमन गोलछा एवं मंत्री श्रीमती राज कोचर सहभागी रही।

अभातेममं के तत्वावधान में एवं साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल, जलगांव द्वारा खानदेश स्तरीय आंचलिक प्रबुद्ध महिला सेमिनार 'प्रवर्द्धन' का आयोजन

परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में एवं साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल, जलगांव द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में 'खानदेश स्तरीय आंचलिक प्रबुद्ध महिला सेमिनार प्रवर्द्धन' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जलगांव लोकसभा सांसद श्रीमती स्मिता वाघ उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि एवं पैनलिस्ट के रूप में मुम्बई से श्रीमती मानसी ठक्कर (Director, Windplus Pvt. Ltd., Leadership Coach & Prodcaster), श्रीमती संगीता पाटिल (V.P. Chairperson, WEC Maharashtra Chamber of Commerce Industry & Agriculture) एवं डॉ. प्रीति अग्रवाल (Director of G.H. Raisoni Institute of Business Management) उपस्थित रहे।

तेरापंथ कन्या मंडल की कन्याओं द्वारा उपस्थित अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। कार्यक्रम का मंगल शुभारंभ प्रेरणा गीत के मधुर संगान द्वारा हुआ। तेरापंथ महिला मंडल की बहिनों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि महिलाएं समस्याओं से जुझकर आगे बढ़ रही है और आगे बढ़कर अपने साथ अपने कुल का व समाज का नाम रोशन कर रही है। **perfect shape** देने के लिए हमें सभी **angle** से सोचना होगा और ऐसा कर वह हर क्षेत्र में मजबूत बन सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर संदर्भों व परिस्थितियों में हम सशक्त व सबल तभी होंगे जब हम अपने वास्तविक स्वरूप को सुरक्षित व संरक्षित रखते हुए विकास के पायदानों पर पदचिन्ह अंकित करेंगे, हमें आधुनिकता के साथ-साथ संस्कारी भी बनना चाहिए तभी प्रबुद्ध महिला कहला पाएंगे। अभातेममं ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने प्रवर्द्धन विषय पर सामयिक विचार व्यक्त किए।

जलगांव महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती निर्मला छाजेड़ ने सेमिनार में पधारे हुए अतिथियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए श्रीमती छाजेड़ ने 20वीं सदी के महान् युगपुरुष गुरुदेव श्री तुलसी के प्रति भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती तरुणा बोहरा ने मॉडरेटर की भूमिका निभाते हुए टॉक शो के माध्यम से महिलाओं की भारतीय समाज में बदलती भूमिका, कैरियर के साथ पारिवारिक भूमिकाओं का संतुलन, महिला उद्यमियों की संख्या में वृद्धि, सांस्कृतिक अपेक्षाओं और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बीच संतुलन, राजनीतिक नेतृत्व पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना, गैर पारम्परिक कैरियर की ओर झुकाव, भारत के विकास में महिलाओं के योगदान कैसे बढ़ाए, महिला आरक्षण से समाज में क्या बदलाव आयेगा? आदि महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा हुई।

महिला अगर आत्मनिर्भर, जीवन के मूल्य, कठोर परिश्रम, कौशल विकास में वृद्धि करें और साथ में परिवार का समर्थन, समाज का महिलाओं की क्षमताओं पर विश्वास बढ़े तो आते हुए दशक में महिला भारत के विकास को आकार देने में सहयोगी होगी। कार्यशाला में अभातेमम महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, कोषाध्यक्ष श्रीमती तरुणा बोहरा, राकास श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती राखी बैद के साथ-साथ खानदेश के 19 क्षेत्रों से सैकड़ों बहिनों तथा जलगांव सकल जैन समाज से 600 प्रबुद्ध बहिनों की गरिमामय उपस्थिति रही। Ar. श्रीमती वर्षा चौरड़िया एवं CA श्रीमती शिल्पा सेठिया द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया एवं ppt के माध्यम से कार्यशाला के विषय पर रचनात्मक वीडियो प्रस्तुत किया गया। खानदेश से पधारे हुए सभी क्षेत्रों की महिला मंडलों को सर्टिफिकेट द्वारा सम्मानित किया गया एवं सर्वाधिक संख्या में आई हुई अमलनेर महिला मंडल को प्रतीक चिह्न द्वारा सम्मानित किया गया।

श्रावक संबोध प्रशिक्षण कार्यशाला

परम श्रद्धेय गुरुदेव तुलसी के महाग्रंथों की रचना में एक महनीय कृति है 'श्रावक संबोध'। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा गुरुदेव तुलसी के 28वें महाप्रयाण दिवस को ध्यान में रखकर 'श्रावक संबोध कार्यशाला' का पन्द्रह दिवसीय आयोजन दिनांक 7 जून से 22 जून, 2024 तक किया गया। शाखा मंडलों की बहिनों ने अति उत्साह से श्रावक संबोध प्रतियोगिता में सहभागिता दर्ज कराई। प्रतियोगिता 2 चरणों में दिनांक 23 जून एवं 24 जून, 2024 को आयोजित की गई। लगभग 1100 बहिनों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें से 100 प्रतियोगियों को चुना गया और उन 100 में से 10 विजेता के रूप में चुने गये हैं। सभी प्रतियोगी बहिनों के प्रति मंगल कामना एवं विजेता बहिनों को बहुत-बहुत बधाई।

इस कार्यशाला में उपासिका श्रीमती चाँद बाई छाजेड़ का प्रशिक्षण के क्रम में विशिष्ट योगदान रहा उन्होंने श्रावक संबोध की व्याख्या के साथ जानकारी प्रदान की एवं पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं श्रीमती पुजिता संचेती का भी इस कार्यशाला को सफल बनाने में श्रम मुखर रहा। कार्यशाला का संचालन श्रीमती संतोष वेदमूथा ने किया।

10 विजेता प्रतियोगियों की सूची-

1. अमिता जैन, बंगलूरू
2. संगीता दूगड़, साउथ दिल्ली
3. प्रेम सेखानी, नोएडा
4. मुस्कान धाकड़, मुम्बई
5. सुमित्रा श्यामसुखा, पर्वत पाटिया
6. मंगला कुण्डलिया, ईस्ट दिल्ली
7. मंजू सांखला, अहमदाबाद
8. संजू दूगड़, सरदारशहर
9. ललिता अभानी, सूरत
10. नीता सोनी, कांकरोली

तेरापंथ कन्या मंडल

"समत्व योग उच्चते, मन का समत्व ही योग है"

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित 'समत्व योग उच्चते' मन का समत्व ही योग है कार्यक्रम का आयोजन देश के विभिन्न भागों में किया गया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी ने बताया कि स्वस्थ व निराकार जीवन के आधारभूत इस कार्यक्रम में लगभग 43 क्षेत्रों में कुशल व सक्षम योग ट्रेनर्स की निगरानी में 804 कन्याओं व श्रावक-श्राविकाओं को योग व प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवाये गये। कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री भावना बैद का अच्छा श्रम रहा।

नाथीलीक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

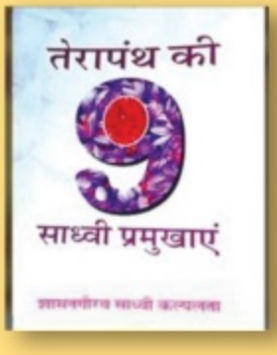

जुलाई, 2024

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 11 से 35)

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. धन्ना अणगार के तप का अनुसरण करते हुए सरदारांजी ने आठ महीने में कितने बेले किये?
2. आचार्य श्री ऋषिरायजी ने बहिन रूपकंवर को कहां पर दीक्षा दी?
3. साध्वीप्रमुखा सरदारांजी जी के माता का क्या नाम था?
4. बादरमल जी ने कितने रुपये की हुंडी बनाकर सरदारांजी को सौंप दी?
5. सं. 1887 का जीतमुनि ने कहां पर चातुर्मास किया?
6. सरदारांजी के पिता एवं भाई ने उन्हें कितने साल घर में रहने के बाद संयम लेने को कहा?
7. राजपूत स्त्री-पुरुष किसका प्रयोग बहुत करते थे, उनके देखा देखी वैश्य समाज में भी उसका प्रचलन बढ़ा?
8. साध्वी चंदनाजी ने निश्चित समय पर कितनी साध्वियों को उदयपुर की ओर विहार करवा दिया?
9. तात्कालिक सामाजिक व्यवस्था के अनुसार बालिका सरदार का विवाह कितने वर्ष की अवस्था में हुआ?
10. सरदारांजी ने कौनसे गाँव में भीमजी स्वामी के दर्शन किए?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. उन्होंने अपना जीवन सादगीमय एवं हल्का बनाने के लिए सबसे पहले अपनी ..... में परिवर्तन किया।
12. एक से बढ़कर एक परीक्षा दी और ससुराल एवं पीहर पक्ष को अनुकूल बनाने और आज्ञा पत्र प्राप्त करने के लिए अपने आपको ..... में झौंक दिया।
13. आप यहाँ से एक बार चूरू चली जाइए, फिर जयपुर, उदयपुर कहीं जाकर ..... लेना चाहें, ले लें, हमें कोई आपत्ति नहीं है।
14. आगम विधि के अनुसार अग्रगामी बनने से पहले ..... और आचारांग सूत्र की वाचना आवश्यक है।
15. संवत 1896 माघ शुक्ला ..... को सरदारांजी की दीक्षा का आज्ञा-पत्र लिख दिया।
16. जिस किशोर वय में तप त्याग का अर्थ समझना मुश्किल होता है, बालिका सरदार ने रात्रि में ..... करना प्रारंभ कर दिया।
17. यह प्रस्थान ..... के लिए प्रस्थान है- यह सोचकर सरदारांजी चूरू से प्रसन्नमना से विदा हो गई।
18. श्वेत वस्त्र धारण कर, द्रव्य साध्वी बनकर सरदारांजी पुनः अपनी तपः साधना के साथ ..... में लीन बन गई।
19. युवाचार्य श्री के मंगल सान्निध्य में निर्देशानुसार अपना ..... स्वयं साध्वी सरदारांजी ने किया।
20. उन्हीं दिनों सरदारांजी के चाचा की पुत्रवधू ..... के मन में साध्वी बनने की भावना जागृत हुई।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक
Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 जुलाई, 2024

Google Form Link : https://forms.gle/nUbMGHyKGdLsQ1Ht9

जून, 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. दृष्टिगोचर	2. रचनात्मक	3. कर्त्तव्य	4. यथोचित	5. तपस्वी
6. वीतराग	7. गणनायक	8. कल्याणक	9. कर्जदार	10. रजनीश कुमार जी
11. जीवन	12. नतमस्तक	13. कर्त्तृत्व	14. वर्धापन	15. नशे
16. गुरुदेव तुलसी	17. आचार्यप्रवर (महाश्रमणजी)	18. आर.के. जैन	19. आचार्यवर (महाश्रमणजी)	20. आचार्य महाप्रज्ञ

जून, 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. ममता मारु, पूर्वी दिल्ली
2. ललिता सोलंकी, उदयपुर
3. मंजू बैद, खारूपेटिया
4. कुसुम बैद, मोटेरा
5. वंदना थडानी, मुंबई
6. सीमा नाहर, सेलम
7. ललिता चोपड़ा, पचपदरा
8. प्रेमलता सेठिया, भुवनेश्वर
9. कुसुम कोठारी, विले पार्ले
10. लीला ख्यालीलाल मेहता, सायरा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	तेरापंथ महिला मंडल, जलगांव	1,25,000
2.	श्रीमती गवरा देवी, श्रीमान हनुमान मल जी छाजेड़ के विवाह के 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में श्रीमान सुरेन्द्र-निर्मला, श्रीमान रविन्द्र-मोनिका, श्रीमान विरेन्द्र-प्रियंका द्वारा सप्रेम भेंट, जलगांव	1,00,000
3.	श्रीमती सुनीता, श्रीमान राजेन्द्र कुमार बैद , छापर-जयपुर, पौत्र रत्न प्राप्ति (सुपुत्र श्रीमती अंकिता एवं श्रीमान यश बैद) के उपलक्ष में	31,000
4.	श्रीमती नीरू श्रीमान गौरव पुगलिया, जयपुर-श्रीडूंगरगढ़	31,000
5.	श्रीमती ललिता दूगड़ , श्रीमान वीरेन्द्र जी के विवाह की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में (भावना सेवा)	21,000
6.	तेरापंथ महिला मंडल, रायगंज	11,000
7.	श्रीमती किरण देवी आंचलिया , गंगाशहर (भावना सेवा)	11,000

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

विशेष ध्यातव्य

बहिनों! राष्ट्रीय अधिवेशन के साथ एक बहुत ही अहम् पक्ष जुड़ा होता है, वह है आप सब के कृत कार्यों एवं सक्रियता का दर्पण- वार्षिक प्रतिवेदन। प्रतिवेदन हेतु रिपोर्टिंग की प्रक्रिया फरवरी माह से ही चालू कर दी गई थी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सब ने अक्टूबर, 2023 से जून, 2024 तक की रिपोर्टिंग व्यवस्थित रूप से पूर्ण सजगता व प्रामाणिकता के साथ कर दी होगी। आने वाले महीनों की भी रिपोर्टिंग उसी माह की 30 तारीख तक करने का लक्ष्य रखें। रिपोर्टिंग हेतु **manage.abtmm.org** पर **login** करें।

सधन्यवाद

नीतू ओस्तवाल
महामंत्री

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला- नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

महामंत्री कार्यालय
महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5-0-1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

देखने हेतु
www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय
कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई-400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com